एसवीएसयू के विद्यार्थियों को मिली ई-लाइब्रेरी की सौगात

"34000 ई-पुस्तकें, 29000 जर्नल, 16000 ऑडियो बुक्स, 50000 थीसिस, लगभग डेढ़ लाख एक्सपर्ट टॉक और ढाई लाख से ज्यादा वीडियो एक क्लिक पर उपलब्ध होंगे"

पलवल, उमंग वालिया/नेशनल टीवी मीडिया। श्री विश्वकर्मा कौशल की विकास यात्रा में एक और अहम अध्याय जुड़ गया है। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने शुक्रवार को ई-लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस ई-लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को 34000 ई-पुस्तकें, 29000 जर्नल, 16000 ऑडियो बुक्स, 50000 थीसिस, लगभग डेढ़ लाख एक्सपर्ट टॉक और ढाई लाख से ज्यादा वीडियो मिलेंगे। साथ ही प्रेसरीडर भी उपलब्ध होगा, जिसके माध्यम से विद्यार्थी विश्व भर के हजारों समाचार पत्र भी ऑनलइन पढ़ पाएंगे।

कुलगुरु ने इस ई-लाइब्रेरी पोर्टल का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने इसे ज्ञान और नवाचार का संगम बताया।

पुस्तक प्रदर्शनी में अवलोकन करते कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार।

कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा क्रांतिकारी परिवर्तन सिद्ध होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ने का आह्वान किया और कहा कि पुस्तकों से जीवन और उसकी दिशा बदलनी सम्भव है। कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि ई-लाइब्रेरी के माध्यम से दुनिया भर का सारा ज्ञान विद्यार्थियों की जेब में आ गया है। अब महंगी से महंगी पुस्तकें और जर्नल बस आपसे एक क्लिक दूर हैं। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम सिंह ने कहा कि यह एक अद्भुत उपलब्धि है।

देश-दुनिया के किसी भी कोने में चौबीस घंटे विद्यार्थी इन पुस्तकों को पढ़ कर अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से ई-बुक्स का सदुपयोग करने का आह्वान किया। पुस्तकालय अध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा ने कहा कि ई-लाइब्रेरी कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार द्वारा दी गई एक बड़ी सौगात है। इससे विद्यार्थियों को अभूतपूर्व लाभ मिलेगा।

कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को वैश्विक अकादमिक मानचित्र पर देखने का संकल्प लिया है। यह उसी दिशा में उठाया गया कदम है। रेफरीड की ओर से भावना गोस्वामी ने विद्यार्थियों को ई-लाइब्रेरी और उसकी एप के बारे में जानकारी दी। उप पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. जेके दुबे ने सभी का आभार ज्ञापित किया। डॉ. भावना रूपराई ने मंच संचालन किया। इस अवसर प्रोफेसर डीवी पाठक, प्रोफेसर कुलवंत सिंह, डॉ. संजय सिंह राठौर, डॉ. पिंकी, डॉ. मनी कंवर सिंह, डॉ. प्रीति, डॉ. हरीश और डॉ. संजुला उपस्थित थे।

इससे पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने शारदा भवन में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में 25 प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं। कुलसचिव ज्योति राणा ने विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारी सच्ची मार्गदर्शक हैं।